Master of Arts (Hindi)
Two Years Program
2023-24
FIRST YEAR
First Semester

Paper Code	Nomenclature	Term End Examination (Theory)	Assignment	Total Marks	Credit	Exam Time
23HND21C1OM	आधुनिक हिंदी कविता–I	80	20	100	4	3 Hours
23HND21C2OM	आधुनिक गद्य साहित्य– I	80	20	100	4	3 Hours
23HND21C3OM	हिंदी साहित्य का इतिहास– I	80	20	100	4	3 Hours
23HND21C4OM	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा– I	80	20	100	4	3 Hours
23HND21D1OM	विशेष रचनाकार कबीरदास– I	80	20	100	4	3 Hours

Second Semester

Paper Code	Nomenclature	Term End Examination (Theory)	Assignment	Total Marks	Credit	Exam Time
23HND22C1OM	आधुनिक हिंदी कविता– I I	80	20	100	4	3 Hours
23HND22C2OM	आधुनिक गद्य साहित्य– I I	80	20	100	4	3 Hours
23HND22C3OM	हिंदी साहित्य का इतिहास– I I (आधुनिक काल)	80	20	100	4	3 Hours
23HND22C4OM	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा–I I	80	20	100	4	3 Hours
23HND22D1OM	विशेष रचनाकार कबीरदास– I I	80	20	100	4	3 Hours
20GENF1OM	Moral Education	40	10	50	2	2 Hours
20JRMO1OM	Media & Society	80	20	100	3	3 Hours

2024-25
SECOND YEAR
Third Semester

Paper Code	Nomenclature	Term End Examination (Theory)	Assignment	Total Marks	Credit	Exam Time
24HND23C1OM	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–I	80	20	100	4	3 Hours
24HND23C2OM	भारतीय काव्यशास्त्र–I	80	20	100	4	3 Hours
24HND23C3OM	भारतीय साहित्य–I	80	20	100	4	3 Hours
24HND23DA1OM	प्रयोजनमूलक हिंदी– I	80	20	100	4	3 Hours
24HND23DB2OM	विशेष रचनाकार प्रेमचंद– I	80	20	100	4	3 Hours
21ENVO2OM	Disaster Management	80	20	100	3	3 Hours

Fourth Semester

Paper Code	Nomenclature	Term End Examination (Theory)	Assignment	Total Marks	Credit	Exam Time
24HND24C1OM	प्राचीन एवं मध्यकालीनकाव्य–II	80	20	100	4	3 Hours
24HND24C2OM	पाश्चात्य काव्यशास्त्र–II	80	20	100	4	3 Hours
24HND24C3OM	भारतीय साहित्य–II	80	20	100	4	3 Hours
24HND24DA1OM	प्रयोजनमूलक हिंदी– II	80	20	100	4	3 Hours
24HND24DB2OM	विशेष रचनाकार प्रेमचंद–II	80	20	100	4	3 Hours

CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK

New Scheme of Examination
Master of Arts (Hindi)
Two Year Programme

Programme Specific Outcomes

PSO1. आधुनिक काल में रचित हिंदी कविता की विविध प्रवृत्तियों को महत्वपूर्ण कवियों और कविताओं द्वारा समझना।

PSO2. आधुनिक काल में रचित विविध गद्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ताकि उनके माध्यम से साहित्य एवं समाज के अन्तरसम्बन्ध की जानकारी हो सके।

PSO3. 1050 ई॰ से अब तक रचित हिंदी साहित्येतिहास की विविध सोपानों के माध्यम से जानकारी।

PSO 4. भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरुप की सैद्धांतिक जानकारी प्रदान करना।

PSO 5. जनजीवन में गहरी पैठ बनाने वाले कवि कबीर की बानी की निर्गुण साहित्य परम्परा को जानना।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी कविता – I

PAPER CODE: 23HND21C1OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और परपंरा का ज्ञान कराना।

CO 2- छायावादी कविता का अंतरंग परिचय पाने के लिए प्रसाद और निराला से प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का पारायण करना और प्रसाद और निराला की रचनाओं की जानकारी के साथ दक्षता पैदा करना।

CO 3- प्रगतिवादी आंदोलन की प्रवृत्तियों और निष्पत्तियों को चुनिंदा कवियों की कृतियों के माध्यम से जानना और प्रगतिवादी कवियों के सामाजिक सरोकारों और कलात्मक विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 4- प्रयोगवादी कविता और नई कविता आंदोलन की रचनाओं को प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से समझना और प्रयोगवादी और नई कविता के माध्यम से समकालीन कविता की प्रमुख विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 5- आधुनिक कालीन हिन्दी कविता की विकास परपंरा और विविध आंदोलनों की जानकारी।

क) पाठ्य विषय

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)
2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, रहस्य, इडा सर्ग)
3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया, संध्या सुंदरी, मै अकेला, तोडती पत्थर, बादल राग प्रथम खण्ड।
4 रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्टम सर्ग ।

ख) आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध ।

निराला : छायावादी काव्य परम्परा में निराला का स्थान, निराला काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूल कथ्य ।

कुरुक्षेत्र : उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूल प्रतिपाद्य ।

सहायक ग्रंथ

1. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ0 ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।
3. साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ0 हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नई कविता की भूमिका : डॉ0 प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
7. छायावादी काव्य और निराला : डॉ0 कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।
8. निराला : डॉ0 पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. निराला और नवजागरण : डॉ0 रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर ।
10. निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
11. निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली ।
12. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
13. निराला की साहित्य साधना – डॉ0 रामविलास शर्मा तीनों खंड
14. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ0 ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक ।
15. अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा ।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगें। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

<u>एम0 ए0 हिन्दी</u>

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य – I

PAPER CODE: 23HND21C2OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक गद्य–साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।

CO 2- आधुनिक गद्य–साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।

CO 3- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।

CO 4- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।

CO 5- आधुनिक गद्य–साहित्य में गद्य भाषा से ग्राम्यत्व हटाकर उसमें नागरिक स्निग्धता का पुट दिया गया।

<u>पाठ्य विषय</u>

1 गोदान – प्रेमचंद
2 बाणभट्ट की आत्मकथा – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
3. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा ।
4 कथान्तर – संपा0 डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली
निर्धारित कहानियाँ – उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लाल पान की बेगम।

<u>आलोच्य विषय</u>

गोदान
1 कृषक जीवन का महाकाव्य
2 युगीन समस्याओं का निरूपण
3 प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
4 प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

बाणभटट की आत्मकथा
1 मूल संवेदना ।
2 प्रेम दर्शन ।
3 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के स्त्री पात्र ।
4 बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता ।

अतीत के चलचित्र
1 महादेवी वर्मा की संवेदना
2 सामाजिक समस्याओं का निरूपण ।
3 चरित्र–चित्रण ।
4 रचना–शिल्प ।

कहानी संग्रह पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

<u>सहायक ग्रंथ</u>

1 गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार ।
2 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
3 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रेमचंद : डॉ0 गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

6 कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
7 हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8 कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
9 हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली ।
10 हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्रा : डॉ0 वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना
11 नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12 हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आतंरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा ।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड –ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास – I
(आदि काल, भक्ति काल और रीति काल/मध्यकाल तक – I)
PAPER CODE: 23HND21C3OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृत्तान्तों का सन्निवेश होता है। इतिहास–दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।

CO 2- इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के सन्दर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

CO 3- हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है कि वह में नयी व्याख्या, नयी प्रेरणा और नयी दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।

CO 4- आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

CO 5- मानव–समाज की सम्पूर्ण गति तथा परिवतर्न का मूल्यों के संदर्भ में भी अध्ययन करता है।

1 हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व – पीठिका
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा – निर्धारण

2 आदिकाल
नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
वर्गीकरण, सिद्ध, जैन, नाथ, रासो साहित्य
आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
रासो काव्य–परंपरा
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

3 भक्तिकाल
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 रीतिकाल
नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व

विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ –

रीतिबद्ध

रीतिसिद्ध

रीतिमुक्त

<u>सहायक ग्रंथ</u>

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।

3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।

5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।

8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।

10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।

11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।

12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।

13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।

14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।

15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।

16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।

17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

<u>निर्देश –</u>

1. पाठ्‌यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से कम से कम एक प्रश्न अर्थात् कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्‌यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

   पूरे पाठ्‌यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

<u>एम0 ए0 हिन्दी</u>

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – I

PAPER CODE: 23HND21C4OM

समय : 3 घण्टे | **पूर्णांक : 100 अंक**
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी

CO 2- स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वाक् उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान

CO 3- रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी

CO 4- हिन्दी भाषा का इतिहास एवं विकास–क्रम का ज्ञान कराना।

CO 5- लिपि विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए हिन्दी प्रचार–प्रसार में व्यक्तियों तथा संस्थाओं के योगदान की जानकारी।

1 भाषा

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
भाषा के अध्ययन क्षेत्र
भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
भाषा की संरचना
भाषा के अध्ययन की दिशाएँ ; वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

2 स्वनविज्ञान

वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादन प्रक्रिया
स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण और उनकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण

3 रूपविज्ञान एवं वाक्य विज्ञान

शब्द और रूप (पद)
संबंध तत्व और अर्थ तत्व
रूप, संरूप और रूपिमों का स्वरूप
अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद
वाक्य के प्रकार
रचना की दृष्टि
अर्थ की दृष्टि
वाक्य की गहन संरचना और बाह्य संरचना

4 अर्थ विज्ञान

अर्थ की अवधारणा, शब्द – अर्थ संबंध
अर्थ–बोध के साधन
एकार्थकता, अनेकार्थता
अर्थ – परिवर्तन की दिशाएँ

5 भाषा – लिपि एवं अन्य विषय–संबंध

भाषा और लिपि के घटकों के संबंध

भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्रों/विषयों से संबंध

भाषाविज्ञान और व्याकरण, भाषाविज्ञान और साहित्य

व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

समाज भाषाविज्ञान

<u>सहायक ग्रंथ</u>

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6 2004 ई0

2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी,169,सेक्टर–12,पंचकूला 2006 ई0

3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0

4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0

5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0

6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0

7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0

8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

9 हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0

10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुऑं, पटना 2000 ई0

12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली। 2000 ई0

13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

<u>निर्देश –</u>

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार कबीरदास – I

PAPER CODE: 23HND21D1OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- कबीर के समाज सुधारक रूप को समझने के लिए।
CO 2- समकालीन संदर्भों में कबीर की महत्ता को समझना।
CO 3- कबीर के ज्ञान और प्रेम के माध्यम से समाज की सुप्त चेतना को जगाने का प्रयास करना।
CO 4. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को जानने के लिए।

क) व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास
प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
निम्नलिखित अंग निर्धारित किए जाते हैं –

1 गुरुदेव कौ अंग	2 सुमिरण कौ अंग	3 बिरह कौ अंग
4 ग्यान बिरह कौ अंग	5 परचा कौ अंग	6 निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7 चितावणी कौ अंग	8 मन कौ अंग	9 माया कौ अंग
10 सहज कौ अंग	11 सॉच कौ अंग	12 भ्रम विधौंषण कौ अंग
13 भेष कौ अंग	14 कुसंगति कौ अंग	15 साथ कौ अंग
16 साध महिमा कौ अंग	17 मधि कौ अंग	18 सारग्राही कौ अंग
19 उपदेश कौ अंग	20 बेसास कौ अंग	21 सबद कौ अंग
22 जीवन मृतक कौ अंग	23 हेत प्रीति कौ अंग	24 काल कौ अंग
25 कस्तूरियॉ मृग कौ अंग	26 निंद्या कौ अंग	27 बेली कौ अंग
28 अबिहड कौ अंग		

ख) आलोच्य विषय

1 भक्ति आन्दोलन और कबीर
2 निर्गुणमत और कबीर
3 निर्गुण काव्यपरम्परा और कबीर
4 मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर
5 कबीर का समय
6 कबीर का जीवन वृत्त
7 कबीर का कृतित्व
8 कबीर का समाज दर्शन
9 कबीर का दार्शनिक चिंतन
10 कबीर की भक्ति भावना

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह

6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाऐंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
2. खंड – ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगें। प्रत्यके प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी कविता – II

PAPER CODE: 23HND22C1OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और परपंरा का ज्ञान कराना।

CO 2- छायावादी कविता का अंतरंग परिचय पाने के लिए प्रसाद और निराला से प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का पारायण करना और प्रसाद और निराला की रचनाओं की जानकारी के साथ दक्षता पैदा करना।

CO 3- प्रगतिवादी आंदोलन की प्रवृत्तियों और निष्पत्तियों को चुनिंदा कवियों की कृतियों के माध्यम से जानना और प्रगतिवादी कवियों के सामाजिक सरोकारों और कलात्मक विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 4- प्रयोगवादी कविता और नई कविता आंदोलन की रचनाओं को प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से समझना और प्रयोगवादी और नई कविता के माध्यम से समकालीन कविता की प्रमुख विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 5- आधुनिक कालीन हिन्दी कविता की विकास परपंरा और विविध आंदोलनों की जानकारी।

क) पाठ्य विषय

1 सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली

2 नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, सत्य, तीन दिन तीन रात ।

3 गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती।

4. रघुवीर सहाय : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लड़की , रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा ।

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्यशिल्प।

रघुवीर सहाय : स्वातन्त्र्योतर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिपेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्टय ।

सहायक ग्रन्थ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
7 अज्ञेय का रचना संसार : सम्पा0 गंगा प्रसाद विमल
8 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर
9 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
10 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
11 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ0 विद्या निवास मिश्रा

12 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
13 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
14 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
15 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
16 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
17 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
18 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।
19 दिनकर काव्य का पुर्नमूल्यांकन, डॉ. शम्भुनाथ ।
20 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
21. रघुवीर सहाय : सम्पादक विष्णु नागर और असद जैदी ।
22. मुक्ति बोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर ।
23. मुक्ति बोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल ।
24. मुक्ति बोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान ।
25. मुक्ति बोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ. लल्लन राय ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड –ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

<u>एम0 ए0 हिन्दी</u>

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य – II
PAPER CODE: 23HND22C2OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक गद्य–साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।

CO 2- आधुनिक गद्य–साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।

CO 3- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।

CO 4- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।

CO 5- आधुनिक गद्य–साहित्य में गद्य भाषा से ग्राम्यत्व हटाकर उसमें नागरिक स्निग्धता का पुट दिया गया।

<u>पाठ्य पुस्तकें</u>

1 चंद्रगुप्त – जय शंकर प्रसाद
2 आधे–अधूरे – मोहन राकेश
3 आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
4 निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकार हिमालय ।

<u>आलोच्य विषय</u>

चंद्रगुप्त	चंद्रगुप्त की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त ।
आधे–अधूरे	आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र –चित्रण ।
आवारा मसीहा	जीवनी साहित्य में आवारा मसीहा का स्थान, आवारा मसीहा की रचना के प्रेरक तत्व, आवारा मसीहा में चित्रित शरतचंद्र का व्यक्तित्व वैशिष्ट्य, आवारा मसीहा के संदर्भ में शरतचंद्र की स्त्री दृष्टि ।
निबंध	पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प

<u>सहायक ग्रंथ</u>

1 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
2 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना–गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।
3 मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद ।
4 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ0 गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दल्ली।
5 नाटककार मोहन राकेश : जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
6 मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : डॉ0 पुष्पा बंसल, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
7 समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।
8 हिंदी नाट्य चिंतन : डॉ0 कुसुम कुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।
9 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र, एस. चांद एंड कंपनी, दिल्ली ।
10 रंगमंच : बलवंत गार्गी : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल निबंध यात्रा : डॉ0 कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली ।
12 हिंदी साहित्य में निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।

13 सरदार पूर्ण सिंह : राम अवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
14 हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली ।
15 समकालीन ललित निबंध : डॉ0 विमल सिंहल, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।
16 आवारा मसीहा : जीवनी के निकष पर, माया मलिक, मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड –ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र–हिंदी साहित्य का इतिहास – II
(आधुनिक काल)
PAPER CODE: 23HND22C3OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- इतिहास का संबंध अतीत से हातो है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृत्तान्तों का सन्निवेश होता है। इतिहास–दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।

CO 2- इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के सन्दर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

CO 3- हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है कि वह में नयी व्याख्या, नयी प्रेरणा और नयी दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।

CO 4- आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

CO 5- मानव–समाज की सम्पूर्ण गति तथा परिवतर्न का मूल्यों के संदर्भ में भी अध्ययन करता है।

1 आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास
परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक
1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण

2 भारतेंदु युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

3 द्विवेदी युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

4 छायावादी काव्य : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

5 उत्तर छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

6 हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास

कहानी	उपन्यास
नाटक	निबंध
संस्मरण	रेखाचित्र
जीवनी	आत्मकथा
रिपोर्ताज	

7 हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास

8 दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

9 हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएं, आन्दोलन और प्रतिष्ठान)

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र् भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – II

PAPER CODE: 23HND22C4OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी

CO 2- स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वाक् उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान

CO 3- रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी

CO 4- हिन्दी भाषा का इतिहास एवं विकास–क्रम का ज्ञान कराना।

CO 5- लिपि विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए हिन्दी प्रचार–प्रसार में व्यक्तियों तथा संस्थाओं के योगदान की जानकारी।

1 **हिंदी भाषा का इतिहास**
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय – हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

2 **हिंदी का विकासात्मक स्वरूप**
हिंदी की उप भाषाएँ :
पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ
पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ
मानक हिंदी का स्वरूप
काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिंदी के रूप मे खड़ी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति

3 **हिंदी का भाषिक स्वरूप**
स्वनिम व्यवस्था : स्वर – परिभाषा और वर्गीकरण
व्यंजन – परिभाषा और वर्गीकरण
हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरूष, कारक और काल की व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
हिंदी वाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा

4 नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार

हिंदी : प्रचार–प्रसार में प्रमुख व्यक्तियों का योगदान

प्रमुख संस्थाओं का योगदान

नागरी लिपि का नामकरण और विकास

नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर परिचय एवं महत्व

आंकडा संसाधन

वर्तनी–शोधन

<u>सहायक ग्रंथ</u>

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6 2004 ई0

2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी,169,सेक्टर–12,पंचकूला 2006 ई0

3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0

4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0

5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0

6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0

7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0

8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

9 हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0

10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुऑ, पटना 2000 ई0

12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली। 2000 ई0

13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

<u>निर्देश –</u>

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।
2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे । जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार कबीरदास – II

PAPER CODE: 23HND22D1OM

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- कबीर के समाजसुधारक रूप को समझने के लिए।

CO 2- समकालीन संदर्भों में कबीर की महत्ता को समझना।

CO 3- कबीर के ज्ञान और प्रेम के माध्यम से समाज की सुप्त चेतना को जगाने का प्रयास करना।

CO 4. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को जानने के लिए।

क) व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास
प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

पद – निम्नलिखित पद निर्धारित किए जाते हैं–

1, 2, 3, 4, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 21, 23, 24, 32, 34, 37, 38, 39, 41, 42, 43, 48, 49, 51, 52, 53, 56, 57, 59, 60, 61, 64, 69, 80, 84, 89, 91, 92, 99, 100, 111, 117, 120, 129, 132, 136, 139, 153, 156, 165, 169, 175, 180, 181, 184, 219, 224, 226, 233, 234, 235, 251, 258, 273, 286, 289, 298, 304, 306, 307, 310, 311, 312, 313, 317, 323, 330, 336, 337, 338, 342, 356, 359, 361, 367, 370, 371, 377, 378, 382, 383, 387, 389, 390, 394, 396, 400, 402, 405 – 100 पद

2 रमैंणी सम्पूर्ण

ख) आलोच्य विषय

1 कबीर का स्त्री विषयक चिन्तन
2 कबीर की मानवतावादी दृष्टि
3 कबीर का रहस्यवाद
4 कबीर के राम
5 कबीर की प्रासंगिकता
6 कबीर के काव्यरूप
7 कबीर की उलटबासियाँ
8 कबीर की प्रतीक योजना
9 कबीर की भाषा
10 कबीर के पारिभाषिक शब्द
अलख, सहज, शून्य, निरंजन, रणसम, उन्मानि, अजपाजाम, अनहदनाद, सुरति निरति, नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह

6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
13 रघुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
2. खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

द्वितीय सेमेस्टर

(Foundation Elective Paper)
MORAL EDUCATION
Paper Code: 20GENF1OM

Total Marks: 50
Time: 02 Hours **External Marks: 40**
Internal Marks: 10

Instructions

There will be a total of five questions. Question No. 1 will be compulsory and shall contain eight to ten short answer type questions without any internal choice and it shall cover the entire syllabus. The remaining four questions will include two questions from each unit. The students will be required to attempt one question from each unit. The students will attempt three questions in all.

UNIT I
Guiding principles for life
Ethics
a. Guidelines set by society
b. Changes according time and place
Morals
c. Guidelines given by the conscience
d. Always constant

Ethics in the workplace
a. Respect for each other
b. Obedience to the organization
c. Dignity of labour
d. Excellence in action

UNIT II
Concept of Trusteeship
a. Everything belongs to society
b. Man is only a caretaker
c. Our responsibility to ensure welfare of all

Importance of service
a. Responsibility of an individual
b. Man is only a caretaker
c Our responsibility to ensure welfare of all

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

MEDIA AND SOCIETY
Paper Code 20JRM01OM

Time Allowed 3 hrs

Max. Marks 100
Theory Marks 80
Assignment 20

UNIT I

1. Media Definition
2. Relationship of Media in Society
3. Impact of Media on society – recent trends
4. Media and Social Development

UNIT II

1. Media Literacy
2. Impact of Media on children and youth
3. Media and gender issues
4. Media and Rural Society

UNIT III

1. Media and Violence
2. Media and Rising Crime
3. Media and Democracy
4. Media and development of Scientific temperament
5. Media and environmental issues

UNIT IV

1. Media Accountability.
2. Media and Economic development
3. Media and Nation Building
4. Popular culture and media

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य –।

PAPER CODE: 24HND23C1OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

CO 1- 'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रास काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना ।

CO 2- विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगंम किया जाता है।

CO 3- मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

CO 4- रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ–साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

- चन्दवरदायी : पृथ्वीराज रासो का पदमावती समय : संपादक माता प्रसाद गुप्त
- विद्यापति : विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी
  निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174,
  176, 178, 190, 191, 199(अ), 216, 235, 252, 253–कुल 25 पद
  कबीर
  कबीर : संपादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

  निर्धारित अंश (।) पाठ्य साखियाँ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175,
  176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202,
  203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231,
  232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240,
  241, 242, 243, 245, 246, 255, 256
  (।।) पाठ्य पद– 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207,
  209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 236, 247,
  250, 253, 254– कुल 25 पद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

चन्दवरदायी
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
पदमावती समय का काव्य–सौन्दर्य

विद्यापति

विद्यापति : भक्त या शृंगारी कवि
विद्यापति का शृंगार वर्णन
विद्यापति का सौन्दर्यबोध
विद्यापति की गीतियोजना
विद्यापति का काव्य–शिल्प

कबीर

कबीर की सामाजिक विचारधारा
कबीर की निर्गुणोपासना
कबीर की भक्ति
कबीर का दार्शनिक चिन्तन
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का काव्य–शिल्प

पठनीय पुस्तकें

1 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2 चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
3 आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ, डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली ।
5 विद्यापति : व्यक्ति और कवि–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
6 विद्यापति–विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
7 कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
8 कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी ।
9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।
10 मध्ययुगीन काव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
11 संत कबीर–रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
12 संत कवि दादू और उनका काव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।
2 प्रत्येक पाठ्य् पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगें। तीनो प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्यके प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

<u>**एम0 ए0 हिन्दी**</u>

<u>तृतीय सेमेस्टर</u>

द्वितीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र –।

PAPER CODE: 24HND23C2OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना
CO 2- भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम का परिचय देना
CO 3- भारतीय काव्यशास्त्र का महत्त्व और साहित्य में उसकी उपादेयता
CO 4- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों और सैद्धान्तिक अवधारणा को समझाना
CO 5- भारतीय काव्यशास्त्र में साम्य वैषम्य और उसके कारणों का ज्ञान कराना।
CO 6- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि पैदा करना

काव्य : स्वरूप और प्रकार
काव्य : अर्थ और परिभाषा
काव्य–हेतु
काव्य–प्रयोजन
काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य
रस––सिद्धान्त
रस : परिभाषा तथा स्वरूप
रस–निष्पत्ति
साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाऍं
ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
डॉ0 रामविलास शर्मा

<u>**सहायक ग्रंथ**</u>

1 काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
6 साहित्यालोचन–श्याम सुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग ।
7 हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास–भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
8 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

10 साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी।
11 साहित्य और अध्ययन–गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
12 हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
13 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्देश –

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय साहित्य–I

PAPER CODE: 24HND23C3OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भारतीय साहित्य के अध्ययन से क्षेत्रियता का लोप होकर राष्ट्रीयता का बोध कराना।

CO 2- भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व–दृष्टि से जोड़ते हैं।

CO 3- भारतीय साहित्य विविधता मे ं एकता का दर्शन कराता है।

CO 4- भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित कराता है।

खण्ड क

भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा
भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीयता का समाजशास्त्र
हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यो ं की अभिव्यक्ति

खण्ड ख

बांग्ला साहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन
चैतन्यपूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय
वैष्णव भक्ति परम्परा में चैतन्य महाप्रभु का योगदान
बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां
बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास
बांग्ला की आधुनिक कविता : विकास और परम्परा
बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा
बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा

खण्ड ग

हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन
भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिमचंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन
उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्री–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन
निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

सहायक ग्रंथ

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य–सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कालेज, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारी प्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

निर्देश –

1. खण्ड क में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न करना अनिवार्य है ।
2. खण्ड ख में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्न करना अनिवार्य है ।
3. खण्ड ग में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल चार दीर्घ प्रश्न करने होंगें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्यके प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।
5. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–।)
प्रयोजनमूलक हिंदी –।

PAPER CODE: 24HND23DA1OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान
CO 2- अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व
CO 3- जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता और लेखन की विशिष्ट शैली का ज्ञान।
CO 4- कंप्यूटर प्रयागे की सैद्धांतिक–व्यावहारिक जानकारी और हिन्दी प्रयोग की विविध विधियों का ज्ञान कराना।
CO 5- राजभाषा हिन्दी का ज्ञान।
CO 6- कायार्लयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी।

खंड –क
प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

खंड –ख
हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

खंड ग
अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयाजे नीयता मे ं अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार
- काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
- कहानी का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

सहायक पुस्तकें

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में से निर्धारित प्रत्येक खंड से तीन–तीन प्रश्न दिए जाएंगें । परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगें । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

<u>एम0 ए0 हिन्दी</u>

<u>तृतीय सेमेस्टर</u>

पंचम प्रश्न पत्र :

विशेष रचनाकार प्रेमचंद –।

PAPER CODE: 24HND23DB2OM

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रेमचंद की युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना।

CO 2- प्रेमचंद की पूर्ववर्ती कथा परंपरा से परिचय कराना।

CO 3- प्रमे चंद की कृत्तियों के जरिए प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना। प्रेमचंद की निंदा रचनाओं के जरिए प्रेमचंद को समग्रता में समझ सकना।

CO 4- प्रेमचंद के समकालीन आरै परवर्ती रचनाकारों– आलाचकों की दृष्टि से प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन कर सकना।

क पाठ्य विषय

प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ सम्पा0 भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

1 निर्धारित कहानियाँ –

बडे भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूँ, बडे घर की बेटी, शतरंज के खिलाडी, रामलीला, आत्माराम, ठाकुर का कुँआ, दो बैलों की कथा, सद्गति, पंच परमेश्वर, परीक्षा, कफन ।

2 मानसरोवर खंड – 1

3 निर्धारित निबंध – नया जमाना पुराना जमाना, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, साहित्य का उद्देश्य, जीवन और साहित्य में घृणा का स्थान, कहानी कला

ख आलोच्य विषय

1 प्रेमचंद का जीवन – वृत्त (कलम का सिपाही एवं प्रेमचंद घर में के विशेष संदर्भ में)
2 प्रेमचंद का कृतित्व और लेखकीय जीवन की विकास रेखा
3 राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद
4 प्रेमचंद का जीवन – दर्शन
5 हिंदी कहानी के विकास में प्रेमचंद का योगदान
6 प्रेमचंद की कहानियों में युगीन यथार्थ
7 प्रेमचंद का वैचारिक गद्य (समाज, राजनीति, संस्कृति, साहित्य एवं भाषा संबंधी प्रेमचंद के विचार)
8 पत्रकारिता के संदर्भ में प्रेमचंद का योगदान
9 प्रेमचंद की भाषा
10 प्रेमचंद की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व

2 नन्द दुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वर गुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नव मूल्यांकन
10 कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमल कोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदन गोपाल : कलम का मजदूर

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठय् पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगें । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होगें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्यके प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Semester –III
Disaster Management
Paper Code : 21ENVO2OM

MM. Th 80+IA 20
Time : 3 Hours.

Note:

1. Seven questions will be set in all.
2. Question No. 1 will be objective covering the entire syllabus & compulsory. The remaining six questions will be set with two questions from each unit. The candidate will be required to attempt five in total, Question I and four by selecting at least one from each unit.

UNIT- I

Disaster- Causes and phases of disaster, Rapid onset and slow onset disasters. Nature and responses to geo-hazards, trends in climatology, meteorology and hydrology. Seismic activities. Changes in Coastal zone, coastal erosion, beach protection. Coastal erosion due to natural and manmade structures.

UNIT- II

Floods and Cyclones: causes of flooding, Hazards associated with flooding. Flood forecasting. Flood management, Integrated Flood Management and Information System (IFMIS), Flood control. Water related hazards- Structure and nature of tropical cyclone, Tsunamis – causes and physical characteristics, mitigation of risks.

UNIT- III

Earthquakes: Causes and characteristics of ground-motion, earthquake scales, magnitude and intensity, earthquake hazards and risks, Volcanic land forms, eruptions, early warning from satellites, risk mitigation and training, Landslides.

Mitigation efforts: UN draft resolution on Strengthening of Coordination of Humanitarian Emergency Assistance, International Decade for Natural Disaster Reduction (IDNDR), Policy for disaster reduction, problems of financing and insurance.

Reference Books:

1. Bolt, B.A. Earthquakes , W. H. Freeman and Company, New York. 1988
2. Carter, N,W. Disaster Management: A Disaster Manager's Hand Book, Asian Development Bank, Manila. 1992
3. Gautam Ashutosh. Earthquake: A Natural Disaster, Ashok Publishing House, New Delhi. 1994
4. Sahni, P.and Malagola M. (Eds.).Disaster Risk Reduction in South Asia, Prentice-Hall of India, New Delhi. 2003.
5. Sharma, V.K. (Ed.). Disaster Management, IIPA, New Delhi. 1995.
6. Singh T. Disaster management Approaches and Strategies, Akansha Publishing House, New Delhi. 2006

7. Sinha, D. K. Towards Basics of Natural Disaster Reduction, Research Book Centre, New Delhi. 2006
8. Smith, K. Environmental Health, Assessing Risk and Reduction Disaster, 3rd Edition, Routledge, London. 2001 21.

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य –।।

PAPER CODE: 24HND24C1OM

Course Outcomes

CO 1- 'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रास काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

CO 2- विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित शृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगंम किया जाता है।

CO 3- मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

CO 4- रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से शृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ–साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

सूरदास

भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य पद–21 से 70–कुल 50 पद

तुलसीदास

कवितावली, गीता प्रैस गोरखपुर

व्याख्या के लिए निर्धारत पद

बालकाण्ड – 1 से 7, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड – 1,2,7,11,12,19 से 28

उत्तरकाण्ड – 26 से 60

बिहारी

बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

निर्धारित दोहे–1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38, 42, 45, 46, 51, 52, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 182, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 317, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713–100 दोहे

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

सूरदास

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत

सूर की भक्ति भावना

सूर का शृंगार वर्णन

सूर का वात्सल्य वर्णन

सूर की भाषा–शैली

सूर की गीतियोजना

भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

तुलसीदास

- तुलसीदास की भक्तिभावना
- तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि
- तुलसीदास की प्रासंगिकता
- तुलसीदास की समन्वय भावना
- कवितावली का काव्य रूप
- कवितावली का काव्य सौष्ठव
- तुलसीदास की लोकमंगल–भावना

बिहारी

सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई
मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी
बिहारी का शृंगार वर्णन
बिहारी का सौन्दर्यबोध
बिहारी की बहुज्ञता
बिहारी का शिल्प पक्ष

सहायक ग्रंथ

1 तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
2 तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
3 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।
4 तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।
5 सूर और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
6 सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।
7 बिहारी और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
8 हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
9 बिहारी–बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
10 महाकवि बिहारी का शृंगार निरूपण–डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

2 प्रत्येक पाठय् पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होगें । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिएँ। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना हागो। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

पाश्चात्य काव्य शास्त्र – II

PAPER CODE: 24HND24C2OM

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित होती है।

CO 2- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना

CO 3- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के साम्य–वैषम्य और उनके कारणों पर विचार करना

CO 4- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का परिचय देना

CO 5- नई समीक्षा के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना

CO 6- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का साहित्य में महत्त्व और उपादेयता पर विचार करना।

CO 7- आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओ ं का परिचय देना।

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचेन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद–
स्वच्छन्दतावाद
शास्त्रीयतावाद
अभिव्यंजनावाद
मार्क्सवाद
फ्रायडवाद
अस्तित्ववाद
उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–डॉ0 तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
4 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।
6 पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ–सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8 हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ–सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9 हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार–रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली—डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्देश –

1 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय साहित्य –।।

PAPER CODE: 24HND24C3OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भारतीय साहित्य के अध्ययन से क्षेत्रियता का लोप होकर राष्ट्रीयता का बोध कराना।

CO 2- भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व–दृष्टि से जोड़ते हैं।

CO 3- भारतीय साहित्य विविधता में एकता का दर्शन कराता है।

CO 4- भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित कराता है।

(क) भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा
भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीयता का समाजशास्त्र

(ख) पाठ्य विषय
दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित गजलें :

बस कि दुश्वार है	18
ये न थी हमारी किस्मत	21
ज़िक्र उस परीचश का	44
रहिए अब ऐसी जगह	128
कोई उम्मीद बर नहीं आती	162
दिले नादां तुझे हुआ क्या है	163
हर एक बात पै कहते हो	179
नुक्तची है ग़म–ए–दिल	192
इब्ने मरियम हुआ करे कोई	216
हजारों ख्वाहिशें ऐसी	220

रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ (खण्ड I), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियॉ–
पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र और पात्री
'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर
संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

(ग) आलोच्य विषय
ग़ालिब की ग़ज़लों का काव्य–सौष्ठव
रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियॉ–पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना एवं चरित्र चित्रण पर आधारित प्रश्न
'खामोश अदालत जारी है' : नाटक की मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर व्यंग्य,

रंगमंच की दृष्टि से नाटक
संस्कार : उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्रो ं का चरित्र चित्रण,
उपन्यास का शिल्प–पक्ष

सहायक ग्रंथ :

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य – सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग सं0 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कॉलेज, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद सं0 1013

निर्देश –

1 खंड क और ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।
2 खंड क और ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

<u>चतुर्थ सेमेस्टर</u>

चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी –।।

PAPER CODE: 24HND24DA1OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान
CO 2- अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व
CO 3- जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता और लेखन की विशिष्ट शैली का ज्ञान।
CO 4- कंप्यूटर प्रयोग की सैद्धांतिक–व्यावहारिक जानकारी और हिन्दी प्रयोग की विविध विधियों का ज्ञान कराना।
CO 5- राजभाषा हिन्दी का ज्ञान।
CO 6- कायार्लयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी।

खंड –क

पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व
- हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास
- संवाददाता के गुण
- समाचार लेखन कला
- समाचार के स्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति
- संपादक और संपादन
- प्रूफ पठन और संशोधन

खंड–ख

मीडिया लेखन

जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्र का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

खंड–ग

पारिभाषिक शब्दावली

- भाषाविज्ञान की शब्दावली
- मानविकी शब्दावली
- प्रशासनिक शब्दावली
- कंप्यूटर शब्दावली

सहायक ग्रंथ

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम के खंड क और ख में से तीन–तीन प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थियों को कुल तीन प्रश्नों के उत्तर देने होगें । प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 खंड ग में निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली में से 20 अंग्रेजी शब्द दिए जाएंगे । परीक्षार्थियों को 14 शब्दों के हिंदी पारिभाषिक रूप लिखने होंगे। प्रत्येक उत्तर एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र

विशेष रचनाकार प्रेमचंद –।।

PAPER CODE: 24HND24DB2OM

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रेमचंद की युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना।

CO 2- प्रेमचंद की पूर्ववर्ती कथा परंपरा से परिचय कराना।

CO 3- प्रेमचंद की कृतियों के जरिए प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना। प्रेमचंद की चुनिंदा रचनाओं के जरिए प्रेमचंद को समग्रता में समझ सकना।

CO 4- प्रेमचंद के समकालीन और परवर्ती रचनाकारों – आलोचकों की दृष्टि से प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन कर सकना।

क) पाठ्य विषय

1 रंगभूमि
2 कर्मभूमि
3 प्रेमाश्रम

ख) आलोच्य विषय

1 प्रेमचंद पूर्व उपन्यास – परम्परा
2 प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक – चेतना
3 प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्श और यथार्थ
4 प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी – चित्रण
5 प्रेमचंद का औपन्यासिक शिल्प
6 रगं भूमि में गॉधीवादी दर्शन
7 प्रेमाश्रम में कृषक जीवन
8 कर्मभूमि में राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन
9 हिंदी उपन्यास को प्रेमचंद का योगदान

सहायक ग्रंथ

1 जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व
2 नन्द दुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वर गुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा – नव मूल्यांकन
10 कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र

12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमल कोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदन गोपाल : कलम का मजदूर

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।